सही बातें
विचार

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज

सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

धैर्य

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा (राज.) : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स

सुभाष चौक कार पार्किंग, राजबाडा, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने ''सही बातें''** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है । वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है । इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है । इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
विचार

यदि किसी कार्य में
आप असफल हैं,
तो उस असफलता के
दो कारण दिखते हैं;
या तो आप
सिर्फ सोचते ही रहे
अथवा
आपने उसे
बिना सोचे किया होगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

दूसरों की
राई बराबर गलतियों को हम
सुमेरु सा मानते हैं,
अपनी
सुमेरु बराबर गलतियों को हम
राई बराबर भी नहीं मानते हैं;
इसी गलती के कारण
हम दुःखी रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हम
पर की गलतियाँ देखते हैं,
फिर
उन्हें सुधारने का
उपदेश भी देते हैं;
लेकिन
जब वे ही गलतियाँ
हम करते हैं
तब हम
खामोश क्यों रहते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जिन्हें आप
आदर्श मानते हों
उनका ही अनुशरण करें,
क्योंकि
आदर्श का अनुशरण करनेवाले
एक दिन
स्वयं आदर्श बन जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अशुभ के काल में
जब तुम्हारे मित्र
तुम्हारा साथ छोड़ दें,
तो उन्हें
उस वेश्या के तुल्य समझें
जो धन या सम्पत्ती खत्म होने पर
अपने प्रेमी को छोड़ देती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जिन कार्यों को
कोई नहीं करना चाहता,
ऐसे कार्य आपको
अवश्य करना चाहिये,
क्योंकि
पता नहीं
किस कार्य से
आपकी प्रसिद्धि हो जाये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

सामान्य लोग
कानों से सुनते हैं,
विशेष लोग
आँखों से भी सुनते हैं,
सामान्य लोग
मुख से बोलते हैं,
विशेष लोग
आँखों से भी बोलते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

विपत्तियों का आना
सामान्य बात है,
लेकिन
जो विपत्तियों को
हसते हुये सहते हैं
उनकी विपत्तियाँ भी
विपत्तियों में पड़ जाती हैं ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

असमय में किया गया
बहुत बड़ा पुरुषार्थ भी
निष्फल हो जाता है
और
समय में किया गया
छोटा सा पुरुषार्थ भी
सफलता के शिखर पर
बैठा देता है;
सही बात है –
समय पर डाला गया बीज ही
विशाल वृक्ष का रूप लेता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जीवन के किसी भी पड़ाव में
जब तुम सोच में पड़ जाओ कि
किस राह पर चलूँ,
तब तुम जुनून के साथ
एक राह पर चल देना;
रास्ता कोई भी हो
मंजिल तुम्हारी ही होगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जीवन में प्रतिकूलतायें
भले ही कैसी भी हों,
परन्तु
विश्वास,
बल,
पुरुषार्थ
और सिद्धांत
कभी भी
कमज़ोर नहीं पड़ना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हम दूसरे के बारे में
अच्छा सोच सकते हैं
हम दूसरे के बारे में,
अच्छा बोल सकते हैं,
क्योंकि
सोचना और बोलना
हमारे हाथ में है;
लेकिन
दूसरे का अच्छा हो जाये
यह उसके
भाग्य के हाथ में है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अपने जीवन में हमें
गलत कामों को छोड़कर
सही कामों पर ही
विचार करना चाहिये,
क्योंकि
कोई देखे या न देखे
गलत काम कभी भी
सही नहीं होते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

संस्कारों की डोर से
जो बंधे होते हैं,
वो कभी भटकते नहीं
और
संस्कारों की डोर से
जो नहीं बंधे होते,
उन्हें भटकने से
रोका नहीं जा सकता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जब कोई आपको
अशुभ कहे,
तब आप उसका
न तो अशुभ करें
न ही उसको अशुभ कहें,
क्योंकि
कषायी वह है
आप नहीं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

कभी भी
क्रोध आपके जीवन का
अंग न बनने पाये,
क्योंकि
क्रोध आते ही
विवेक के नेत्र बंद हो जाते हैं;
अस्तु
क्रोध पर विजय के लिये
'मौन' ही श्रेष्ठ दवाई है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जब आप जीवन का
कोई भी निर्णय लें,
तो बड़ी समझदारी से लें,
क्योंकि
समझदारी से लिया गया निर्णय
अनेक मुसीबतों से
बचा सकता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हमें नहीं दिखते
अपने दामन में लगे दोष,
क्योंकि
हमें दिखते रहते हैं
दूसरों के दामन में लगे दोष;
शायद इसीलिये हम
नहीं हो पा रहे हैं निर्दोष...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

घर के मुखिया को
घर में
सुख–शान्ति बनाये रखने के लिये
सभी के प्रति
समान व्यवहार रखना चाहिये,
किसी से अधिक
किसी से कम प्रेम करने से
वह शत्रुओं को
उत्पन्न कर देता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

विकल्पों में उलझा हुआ व्यक्ति
सफलता प्राप्त नहीं कर सकता,
इसलिये
सफल होने के लिये
विकल्पों को
अपने जीवन में स्थान मत दो
और
ऐसे निमित्तों से दूर रहो
जो विकल्प उत्पन्न करते हों...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

गलतियाँ
सब से होती हैं,
लेकिन
श्रेष्ठ वह है
जो उन्हें गलतियाँ मानता है;
उनसे भी श्रेष्ठ वह है
जो उन्हें सुधारता भी है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो बिखरते हैं
वे निखरते नहीं,
जो निखरते हैं
वो बिखरते नहीं,
मेरे मित्र !
विपत्तियाँ सभी पर आती हैं
कुछ बिखर जाते हैं
कुछ निखर जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जब परिवर्तन होता है
राग से वैराग्य में
तब और भी परिवर्तन
हमारे जीवन में आते हैं
पहला परिवर्तन भावों में,
दूसरा परिवर्तन भोजन में,
तीसरा परिवर्तन भेषभूषा में,
चौथा परिवर्तन भजन में...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

ईर्ष्यालु व्यक्ति
दूसरों के गुणों में भी
दोष देखते हैं
और
अपने दोषों में भी
गुण देखते हैं,
वास्तविकता में
ऐसे व्यक्ति
उस पशु के समान है
जो मिष्टान्न को छोड़कर
मल को ही खाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

किसी भी युद्ध को
किसी भी परिस्थिति को
जीतने के लिये
शारीरिक बल की अपेक्षा
बुद्धि बल लगाना चाहिये,
क्योंकि
बड़े–बड़े हाथी और शेरों को
बुद्धि–बल से ही
वश में किया जाता है
न कि शारीरिक बल से...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

इच्छा साधन है
दुःखों का,
इच्छा का अभाव साधन है
सुखों का,
अगर चाहते हो सुखी रहना,
तो छोड़ दो
इच्छाओं को
और
प्रारंभ करो संतुष्ट रहना...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो लोग
आयोजन में प्रयोजन को
भूल जाते हैं,
वे अकसर
असफलता का मुख देखते हैं;
क्योंकि
जिसका कारण विपरीत होता है,
उसका कार्य भी
विपरीत ही होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

किसी भी
घमण्डी एवं लालची व्यक्ति से
न तो व्यापार करें
न ही संबंध स्थापित करें;
क्योंकि
ऐसे लोग स्वार्थी होते हैं
और
आपको कभी भी
धोखा दे सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

बनना है महान
अगर आपको,
तो बनाइयें महान
अपनी कल्पनाओं को,
बनाइये महान
अपनी भावनाओं को,
बनाइये महान
अपने व्यक्तित्व को...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अगर आप
सुंदर दिखना चाहते हैं,
अगर आप
सुंदर बोलना चाहते हैं,
तो मत करिये
तन का श्रृंगार,
करिये
मन का श्रृंगार;
ध्यान रखिये–
सादगी और सरलता
जहाँ रहती है
सुंदरता भी वहीं रहती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

श्रृंगार साधन नहीं है
सुंदरता का,
श्रृंगार साधन नहीं है
आकर्षण का,
श्रृंगार तो साधन है
वासनाओं का;
इसलिये
तन को
श्रृंगारित मत करो,
मन को
संस्कारित करो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

भविष्य
उन्हीं का सुंदर होता है,
जिनके वर्तमान के कार्य
सुंदर होते हैं;
हमारा भूत
हमारा वर्तमान है
और
हमारा वर्तमान
हमारा भविष्य है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हमारे विचार
हमारा व्यवहार
और
हमारा चारित्र
कुछ ऐसा होना चाहिये,
जिससे माता–पिता का
मित्र–गुरु का विश्वास
हम पर हमेशा बना रहे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जिन शब्दों से
सांप्रदायिकता भड़के
उनका प्रयोग
कभी नहीं करें,
क्योंकि
सांप्रदायिकता भड़कने से
कलह तो फैलेगा ही
साथ ही साथ
आप भी विवादित हो जायेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

दुःख देनेवाले को
दुःख ही मिलता है,
सुख देनेवाले को
सुख ही मिलता है,
दुःख देनेवाले
जगत् में बहुत लोग हैं,
तुम सीख सको
तो सुख देना सीखो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

ज्येष्ठों पर श्रद्धा करो
उनसे स्पर्धा मत करो,
ध्यान रखो–
श्रद्धा से
ज्ञान और विशुद्धी मिलती है
और
स्पर्धा से
अज्ञान और कषाय...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हे मित्र!
तुम खुश रहो
और
दूसरों को भी खुश रखो,
क्योंकि
दूसरों को गम देनेवाले
एक दिन
खुशी को तरसते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

पैसा
उन्हीं के पास ठहरता है
जिनके पास
विवेक, बुद्धि और पुण्य होता है;
जब तक बाड़ी है
तभी तक
फसल सुरक्षित रहती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

आपको
बड़ा बनना हो
तो अहंकार न दिखायें
अपितु लघुता दिखायें,
अहंकार दिखाने से
आप लघु हो जाते हैं
और
लघुता दिखाने से
आप बड़े हो जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हम जैसा कहते हैं
हमें वैसा करना भी चाहिये,
हम जैसा लिखते हैं
हमें वैसा दिखना भी चाहिये;
क्योंकि
हमारी कथनी और करनी में
अंतर आते ही
हमारी प्रमाणिकता
चली जाती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो सह नहीं पाते हैं
विनोद को,
जो सह नहीं पाते हैं
प्रमोद को,
वो क्या सह पायेंगे
विरोध को...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

आप चाहे
छोटा कार्य करें
या फिर बड़ा,
कार्य करते समय
उसके प्रति आपका
समर्पण देखा जाता है;
ध्यान रखें–
समर्पण आपको एक दिन
इतना ऊँचा उठा देता है,
जिसे आप
कभी सोच नहीं सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जैसे चिड़िया को
उड़ने के लिये चाहिये दो पंख,
वैसे ही कार्य की
सिद्धि के लिये चाहिये दो हेतु,
वर्तमान का प्रबल पुरुषार्थ
और
पूर्व का विपुल पुण्य...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

हम अच्छा किसी का
कर पायें न कर पायें,
लेकिन
हमें किसी का
बुरा नहीं सोचना चाहिये;
क्योंकि
हमारे सोच से
कुछ नहीं होता,
जो कुछ है होता
भाग्य से होता...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

सम्पूर्ण समस्याओं का
समाधान समय है
समय दे दो
अग्नि शांत हो जाती है,
समय दे दो
इच्छायें शांत हो जाती हैं,
समय दे दो
शंकायें शांत हो जाती हैं,
समय दे दो
दुःख भी शांत हो जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

मन की इच्छायें
कभी समाप्त नहीं होती,
मन
एक ऐसी अग्नि है
जिसमें जितना भी
विषयरूपी ईंधन डालो
सब भस्म हो जाता है;
इसलिये
मन को वश करें
न कि उसके वश हो जायें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

ऐसी वाणी बोलिये
जो लगे प्रिय सभी को,
ऐसी वाणी मत बोलिये
जो दे पीड़ा सभी को;
क्योंकि
बाण के घाव तो
समय पाकर भर जाते हैं,
मगर
वाणी के घाव
कभी नहीं भरते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

दूसरों के सुधार में
आप अपने समय को
मत बिगाड़इये,
क्योंकि
दूसरों की हज़ार गलतियाँ
सुधारने की अपेक्षा
अपनी एक गलती
सुधारना श्रेष्ठ है;
इसलिये
छोड़ो दुनिया को
सुधारो अपने आपको...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

कई बार कई लोग
किसी कार्य के पूर्व में
बहुत डरते हैं,
सफलता–असफलता का
विचार करते हैं;
मेरा उनसे कहना है–
संकल्प–शक्ति को
दृढ़ करने का विचार करें,
सफलता
स्वयमेव प्राप्त हो जायेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जैसे
ऊसर भूमि में डाला गया बीज
नष्ट हो जाता है,
उसी प्रकार
पात्र विहीन को दी गई शिक्षा भी
नष्ट हो जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

आप जीवन में
कोई भी कार्य करें
उसे तन्मय होकर करें
एवं
प्रभु और गुरु को
न भूलें,
प्रभु और गुरु की
स्मृति रहेगी
तो निश्चित ही सफलता मिलेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अगर आपको
न बनना हो हसी का पात्र,
तो अपने वचन
उसे ही सुनाना
जो उसे सुने,
अपनी सलाह
उसे ही देना
जो उसे माँगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

कई रिश्ते हमें
अच्छे रास्तों से भटका देते हैं,
कई रिश्ते हमें
अच्छे रास्तों में लगा देते हैं;
इसलिये
रिश्ते हों
अच्छे लोगों से
अच्छे रास्तों के लिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अगर करना हो
तुझे पहचान इंसान की
तो उसे समय दें,
उसका साथ लें,
और
फिर उसमें खोजें
जो तुम चाहते हो उससे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जब जब हम ठोकर खाते हैं
तब तब हम सीखते हैं,
जब तक हम ठोकर खाते हैं
तब तक हम अधूरे हैं;
जिस दिन
ठोकर लगना बंद हो जाये
समझलो हम सीख चुके हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जैसा आप
दूसरों को देखना चाहते हो,
वैसा पहले स्वयं बनिये;
क्योंकि
अनुशासन देखने वालों को
पहले अनुशासन में रहना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अधिक बोलने से
घटता है सम्मान,
अधिक बोलने से
बढ़ता है अपमान,
अगर चाहते हो
अपमान की जगह सम्मान,
तो बोलो कम करो ज्यादा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

चित्र वे ही देखें
जिनसे चित्त विशुद्ध हो
चारित्र शुद्ध हो
चित्त भ्रमित न हो,
जिनसे हो चित्त भ्रमित
ऐसे चित्र
न तो स्वयं देखें
न हि दिखायें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो मूर्ख मनुष्य
किये गये उपकार को भूल जाता है,
वह मनुष्य निन्दनीय है
पापी है
नीचों में नीच है,
ज्यादा क्या कहें ?
उसका जन्म लेना व्यर्थ है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो शब्द, जो वचन, जो वाक्य
हमें पसंद न हों;
वे शब्द, वे वचन, वे वाक्य
हमें दूसरों से
नहीं कहना चाहिये;
क्योंकि
जैसा हमें लगता है
वैसा दूसरों को भी लगता होगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

उपकारी का
अपकार करनेवाला
तिर्यंचों से भी निकृष्ट है,
आप
उपकार करनेवाले का
उपकार कर सको
या न कर सको,
परन्तु
उपकारी का अपकार
कभी मत करना...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

आप
सिर्फ कहने मात्र से
परमात्मा नहीं बन सकते हैं,
परमात्मा बनने के लिये
आपको कहने के साथ–साथ
उस पद के अनुरूप
क्रियायें भी करनी पड़ेंगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जिनका चारित्र
जैसा होता है
उन्हें वैसे ही लोग
पसंद आते हैं,
इस बात की परीक्षा के लिये
इसे खुद पर
आज़माकर देखिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

किसी और का गुस्सा
किसी और पर उतारना
नासमझी के सिवाय
कुछ और नहीं है,
यह बात मैं
अच्छे से समझ चुका हूँ;
अब आपकी बारी है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अगर आपके पास पुण्य है
तो आप अकेले होकर भी
भीड़ में हैं
और
अगर आपके पास पाप है
तो आप भीड़ में होकर भी
अकेले ही हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

आप चाहे
कितने ही ऊँचे हो जायें,
पर
जिनका सहारा लेकर
आप ऊँचे उठे हैं;
उन्हें नीचा मानकर
कभी मत भूल जाना...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

गुरु
हर समय
शिष्य के मन का
ख्याल रखते हैं,
इसके बदले
शिष्य का कर्तव्य है कि
वह अंतिम समय तक
गुरु के तन का ख्याल रखे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

भूल होने पर
रोना नहीं चाहिये,
अपितु
उन भूलों को
सुधारने का पुरुषार्थ करना चाहिये,
जीवन रोने से नहीं
भूल सुधारने से सुधरता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अधिकता
हर चीज़ की खराब है,
फिर चाहे वह
मान हो
सम्मान हो
अपमान हो
या फिर
अभिमान हो...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जिन्हें भी
अपना कल्याण करना हो,
उन्हें अपने दिल को
स्वादों से हटाकर
साधुओं से जोड़ना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

विनय करने से
परस्पर में प्रीति बढ़ती है
और
अन्दर में
शक्ति का संचार बढ़ता है;
इसलिये
कुछ सीखें न सीखें
विनय जरूर सीखें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

राजा लोग प्रायः करके
चतुर
और
बुद्धिमान होते हैं,
इसलिये
उनकी दोस्ती भी
बेकार है
और
दुश्मनी भी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अगर आपको
खुद पर भरोसा है
तो व्यापार कीजिये,
खुद पर भरोसा नहीं है
तो नौकरी करके
दूसरों पर
भरोसा जमाते रहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

बेहतरीन की
चाह के कारण,
कई बार आप
बेहतर दिन भी
बेकार से निकाल देते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो भी लोग
देखा–देखी करके काम करते हैं
उनका काम कभी
सफल नहीं होता,
मान लो
सफल हो भी जाये
तो भी नाम नहीं होगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अपनी रक्षा के लिये
अपना पुण्य बढ़ाइये,
क्योंकि
बिना पुण्य के
न किसी की रक्षा हो पाई है
न ही हो पायेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

अपनी सोच को
तर्कों से निखारें
और
अनुभवों को
ठोकरों से निखारें,
क्योंकि
आपका व्यवहार
आपकी सोच
और
आपके अनुभवों पर
निर्भर करता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

मैंने एक बात
मनुष्यों में पाई है,
गलतियाँ तो
हर कोई करता है,
परन्तु
सुधरना कोई भी नहीं चाहता;
खास बात यह है कि
दूसरों को सुधारना हर कोई
चाहता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जब तुम दुःखी हो
तब मेरी एक बात ध्यान रखें
हसकर
दुःखों को घटाया जाता है
और
रोककर
उन्हें बढ़ाया जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

दुनिया का
ऐसा कोई भी काम नहीं है
जो तुम्हारे लिये
मुश्किल हो,
बस होना चाहिये
उत्साह,
आत्मविश्वास,
पुरुषार्थ
और
पुण्य...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जिस दिन नीतियुक्त बातें
आपके जीवन में
छप जायेंगी,
तो यकीन मानिये
आपका जीवन भी
पढ़ने लायक हो जायेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

कुछ अपने लिये करें,
कुछ अपनों के लिये करें;
अगर
ये दो काम नहीं कर सकें
तो किसी को परेशान न करें...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

दूसरों के दामन में
दाग ढूँढ़ने वालों,
कभी अपने दामन में
तो झाँको
उसमें तो दाग लगने की
जगह ही नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो लोग दूसरों के
सुख से,
संपत्ति से,
वैभव से जलते हैं,
मैं उन्हें
पशुओं से भी
गया बीता मानता हूँ ;
क्योंकि
गधा भी जानता है
कि न तो मैं शेर हूँ
न ही कभी शेर बन सकता हूँ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

आप होशियार हैं
ये अच्छी बात है,
हमें गूँगा न समझें
हम मौन हैं ;
यह समझ लें
तो और अच्छी बात है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जो हमेशा कहे
मेरे पास वक्त नहीं
समझ लेना,
वो व्यस्त नहीं
अस्त-व्यस्त है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जब तक संसार में
नासमझ लोग ज़िन्दा हैं ,
तब तक समझदार लोग
भूखे नहीं मर सकते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

नासमझ
अपने आपको
समझदार मानते हैं,
वहीं
समझदार लोग
नासमझ बने फिरते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

जैसा है दीपक
कुछ ऐसे ही बनें आप,
दीपक बोलता नहीं है
सिर्फ प्रकाश से
अपना परिचय देता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

कुछ लोग मुझे
इसलिये पसंद आते हैं,
खुद टूट जाते हैं
मगर टूटने नहीं देते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
विचार

शख्सियत
कुछ ऐसी बनाओ
हर शख्स तुम्हें
अपनी ख्वाइश बना ले...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर